should immediately send a Central study team to Palghat to make an on-the-spot study of the situation. Besides, I request the Government that the following steps may urgently be taken: Adequate Central assistance should be provided to the farmers. Seeds and fertilizers should be provided free of cost. There should be a moratorium on the re-payment of loans. Water tax should be waived, and free ration should be supplied to the agricultural labourers. Lastly, nutrition programme should be organized on a large scale.

(iv) NON-IMPLEMENTATION OF RECOMMENDATIONS OF NON-OFFICIAL ADVISORY COMMITTEE ON FREEDOM FIGHTER HONOUR PENSION SCHEME.

श्री रामावतार शास्त्री : (पटना) :स्वतंत्रता सैनिक सम्मान पेंशन योजना से संबंधित गैर सरकारी परामर्शदात्री समिति की एक बैठक 11 दिसम्बर, 1981 को आयोजित की गई थी । बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष तत्कालीन गृह मंत्री ने की थी। समिति की पिछली बैठक का कार्यवृत्त स्वीकार करने के बाद केरल के पुन्नप्रा वायलार, आंध्र प्रदेश के तेलंगान विद्रोह, कर्नाटक के अरण्य सत्याग्रह, पेप्सू के प्रजा मण्डल आंदोलन, आई० एन० ए० के भूतपूर्व सैनिकों, कुछ अन्य सशस्त्र विद्रोहों में भाग लेने वाले व्यक्तियों को स्वतंत्रता सैनानी मानकर उन्हें स्वतंत्रा सैनिक सम्मान पेंशन देने की सिफारिश सर्वसम्मती से की गई ।

बैठक में उन लोगों को भी स्वतंत्रा सैनानी पेंशन देने की सिफारिश की गई जिन्हें स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने के कारण बैंत मारने की सजा दी गई थी । बैठक में यह निर्णय भी लिया गया कि जिन बच्चे बच्चियों का जन्म जेलों में हुआ था और जो अपनी मां के साथ छः माह तक जेलों में रह चुके थे, उन्हें भी स्वतंत्रता सैनिक सम्मान पेंशन लेने का अधिकार होगा ।

बैठक की एक महत्वपूर्ण सर्वसम्मत सिफारिश यह भी थी की जिन लोगों ने जेलों में पांच वष या इससे अधिक यातना भुगती या जो बहुत वृद्ध हो चुके हैं या जिनकी आर्थिक स्थिति बड़ी ही ही दयनीय है उन्हें तीन सौ रुपये महावारी के बदले पांच सौ रुपए माहवारी दिए जाएं ।

परंतु दुख है कि करीब पंद्रह महीनों के बाद भी समिति के निर्णय को लागू नहीं किया जा सका है । लगता है कि सरकार समिति के सर्वसम्मत निर्णय का भीतर घात करना चाहती हैं। ऐसी स्थिति में प्रधान मंत्री से मेरा आग्रह होगा कि वह समिति की सिफारिशों को पूरा का पूरा स्वीकार कर स्वतंत्रता सैनिकों की मदद करें ।

(v) DEVELOPMENT OF RAGHOPUR IN VAISHALI DISTRICT, BIHAR

श्री राम विलास पासवान (हाजीपुर) : बिहार के वैशाली जिलांतरगत राघोपुर एक प्रखंड है । यह मेरे संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत है । राघोपुर पूरा प्रखंड सालों भर गंगा की चपेट में ग्रसित रहता है । प्रति वर्ष हजारों लोग बेघर-बार होते हैं। केन्द्र एवं राज्य सरकार की घोषणा के बाद भी अभी तक कटाव पीड़ितों के लिए कोई पुनर्वास की व्यवस्था नहीं की गई है और न गृह अनुदान ही दिया गया है। आजादी के तीस वर्षों के बाद भी पूरे प्रखंड के एक गांव में भी विद्युतीकरण नहीं किया गया है जबकि उस प्रखंड में काफी संख्या में हरिजन एवं कमजोर वर्ग के लोग हैं। पूरे प्रखंड में एक इंच जमीन में भी पक्की सड़क नहीं है । पीने के पानी का भीषण अभाव है । जो भी चापा कल हैं वे बेकार पड़े हैं। सिर्फ एक प्रखंड अस्पताल है । बीमार लोगों को कई नदियां पार कर तीस मील बीमारी के इलाज के लिए जाना पड़ता है । राष्ट्रीय ग्रामीण योजना के अंतर्गत गरीबी रेखा से नीचे के लोगों

के जीवन स्तर को ऊपर उठाने का कार्य-क्रम भी धीमी गति से चल रहा है। कुल मिला कर पूरे प्रखंड की स्थिति दयनीय है। अतः केन्द्र सरकार से मांग है कि सरकार अविलंब कटाव पीड़ितों के लिए पुनर्वास की व्यवस्था करे। प्रखंड में विद्युतीकरण की व्यवस्था की जाय व स्वास्थ्य योजना चलाई जाए। यातायात की व्यवस्था की जाए कम से कम प्रखंड मुख्यालय में अविलंब टेलीफोन की व्यवस्था की जाए और गरीबी की रेखा से नीचे के लोगों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने के लिए व्यापक कार्यक्रम एवं योजना चलाई जाए।

(vi) NEED FOR SOPHISTICATED IMPLEMENTS TO START OIL EXPLORATION IN PILBHIT, UTTAR PRADESH.

श्री हरीश कुमार गंगवार (पीलीभीत) : विशषज्ञों की रीपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले मे खनिज तेल का सब से बड़ा भंडार है। यह भण्डार काफी गहराई में है। आयल एवं नेचुरल गैस कमीशन ने इस तेल की खोज के लिए 5 वर्ष पूर्व तक लगभग 3200 मीटर गहराई तक खुदाई कराई तथा खोदने वाले उपकरणों द्वारा कड़ी चट्टान के आ जाने से काम न कर पाने के कारण खुदाई बंद कर दी गई तथा खुदाई के उपकरण व अन्य सभी सामान वहां से हटा लिया गया। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार रूस के पास अधिक सक्षम उपकरण हैं। पीलीभीत में तेल का अपरिमित भण्डार है जिसकी देश में अत्यंत आवश्यकता है।

मैं माननीय तेल मंत्री से आग्रह पूर्वक अनुरोध करता हूं कि सक्षम उपकरणों को उपलब्ध कर पीलीभीत में तेल की खोज का कार्य शीघ्र से शीघ्र पुनः आरंभ कराएं।

(vii) ACUTE SHORTAGE OF WATER IN MADRAS

DR. A. KALANIDHI (Madras Central): The Madras City is facing a severe and serious problem about drinking water. Tamilnadu authorities have announced that water will be supplied only on alternative days. But the fact is that water is coming in the taps at a very low pressure only once in ten days. Even to get this one bucket of water people have to wait for a long time ignoring the other important domestic affairs. Ladies are standing in long queues from 1 A.M. to 7 A.M. without sleeping to get this meagre quantity of water. Outside the water is sold commercially 25 paise per litre. Tamilnadu is already in the grip of severe drought due to failure of monsoons. Tamilnadu authorities are not taking any effective steps to solve this problem. Veeranam Project has been shelved by the Government. If this Project had been implemented in the right earnest way in right time this would have solved the acute water scarcity which is existing in the Madras City. Krishna water from Andhra Pradesh will take another ten years. Hence I request the Centre to intervene immediately to restart the Veeranam Project on a war-footing manner to solve the problem of water crisis in a long run. Now I request the Centre to send some experts to study the acuteness of water scarcity prevailing in Madras City and give massive aid to the Government of Tamilnadu to solve the water crisis immediately.

(viii) NEED TO IMPROVE THE WORKING OF SIR SUNDER LAL HOSPITAL OF BANARAS HINDU UNIVERSITY, BANARAS.

श्री राजनाथ सोनकर शास्त्री (सदपुर) : मैं आपके माध्यम से माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी का ध्यान बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय चिकित्सा विज्ञान से सम्बन्धित सर सुन्दर लाल चिकित्सालय की दयनीय स्थिति की ओर दिलाना चाहता हूं। सरसुन्दर लाल चिकित्सालय पूर्वी उत्तर प्रदेश और पश्चिम बिहार की घनी आबादी वाले क्षेत्र की करोड़ों जनता के लिए एक महत्वपूर्ण चिकित्सालय है। दिन-रात इस क्षेत्र के हजारों रोगी यहां आते हैं, अपना इलाज कराते हैं, किन्तु यहां उपयुक्त व्यवस्था नहीं है।